दुनिया को नापना. 7

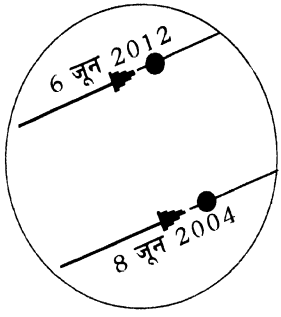

इस साल 8 जून के दिन शुक्र ग्रह सूर्य की चकती के सामने से गुज़रता हुआ दिखाई देगा। इसे हम शुक्र द्वारा लगाया सूर्य-ग्रहण भी कह सकते हैं। इस तरह की आकाशीय घटनाएं काफी दुर्लभ होती हैं। यह मौका लगभग 121 साल बाद आया है इसलिए इसे देखने से चूकना नहीं चाहिए।

इसे कैसे देखना है, कौन-सी सावधानियां बरतनी हैं, आदि सवाल तो महत्वपूर्ण हैं ही परन्तु सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इस ग्रहण की घटना को आधार बनाकर खगोल वैज्ञानिकों ने पहली बार सूर्य से पृथ्वी की दूरी का पता लगाया था; जिसे आज हम 'एक एस्ट्रोनॉमिकल यूनिट' कहते हैं। तो देर किस बात की, इस लेख को पढ़िए और और आप भी दुनिया को नापने की कोशिश कीजिए।

उड़ते ड्रेगन 36

आप इन्हें चिड्डा, हेलिकॉप्टर या ऐसे ही कई नामों से जानते होंगे। मॉनसून के ठीक पहले ये आ धमकते हैं। बाकी समय ये कहां रहते हैं, कैसे आवास पसंद हैं इन्हें, इनका जीवन चक्र कैसा है, ये क्या खाते हैं, प्रजनन कैसे होता है इनमें, भारत में इनकी कितनी प्रजातियां पाई जाती हैं, इन प्रजातियों का वितरण कैसा है, उस वितरण का क्या महत्व है? – ऐसे बहुत से सवालों पर गौर किया गया है इस लेख में।

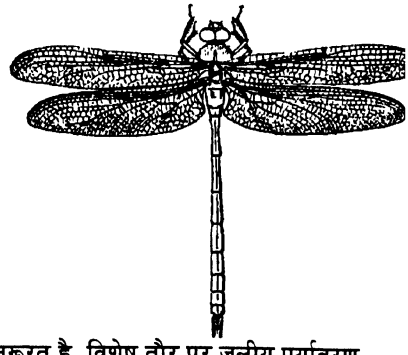

दरअसल भारत के संदर्भ में ड्रेगनफ्लाइ और डेम्सलफ्लाइ के बारे में काफी जानकारी उपलब्ध होने के बावजूद समझ में आता है कि और बहुत सारे पहलुओं पर अध्ययन करने और उन्हें समझने की ज़रूरत है, विशेष तौर पर जलीय पर्यावरण की गुणवत्ता पहचानने के संदर्भ में इनका इस्तेमाल महत्वपूर्ण हो सकता है।

कहानी सुनाने 57

प्रायमरी कक्षाओं में हाव -भाव के साथ नाटकीय ढंग अपनाते हुए कहानियां सुनाना एक अलग ही महत्व रखता है; इसे हम सब जानते हैं। सबसे बड़ी चुनौती होती है कि कहानी का चुनाव किन आधारों पर किया जाए। पंचतंत्र की एक कहानी का उदाहरण लेते हुए इन आधारों का विश्लेषण कर रहे हैं प्रख्यात शिक्षा शास्त्री कृष्ण कुमार इस लेख में।

तेईस नुआ 77

गणित की कक्षा में काफी सारा समय अंकों के साथ मशीनी तरीके से क्रियाएं करने में ही बीतता है। अगर कोई बच्चा ठीक से जोड़-घटा न कर पाए तो उसको गधा, मूर्ख जैसे विशेषणों से नवाज़ा जाता है। गणित की कक्षा इतनी यंत्रणामयी क्यों होती है? एक कहानी के मार्फत नीलमणि साहू महापात्र और भी बहुत कुछ कहना चाहते हैं शिक्षकों के ऐसे व्यवहार के असर के बारे में।

शैक्षिक संदर्भ

अंक: 48 दिसंबर03–मार्च 2004

इस अंक में

आपने लिखा . . . 4

दुनिया को नापना . . . 7
आमोद कारखानिस

तारों के रंग . . . 30
सवालीराम

ज़रा सिर तो . . . 32

उड़ते ड्रेगन्स . . . 36
के. ए. सुब्रह्मणियन

डॉ. कलबाग और . . . 48
गौतम पांडेय

जीवन क्या है . . . 51
जे. बी. एस. हाल्डेन

कहानी सुनाने का हुनर . . 57
कृष्णकुमार

क्या हम अपने . . . 70
शशि सक्सेना

तेईस नुआ दो सौ . . . 77
नीलमणि साहू महापात्र

संदर्भ इंडेक्स अंक 43–48. . . 91